हिमाचल प्रदेश वन पारितंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना

जापान सरकार (JICA) द्वारा वित् पोषित परियोजना

आय सृजन गतिविधि व्यवसाय योजना

पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन)

दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाना 2024

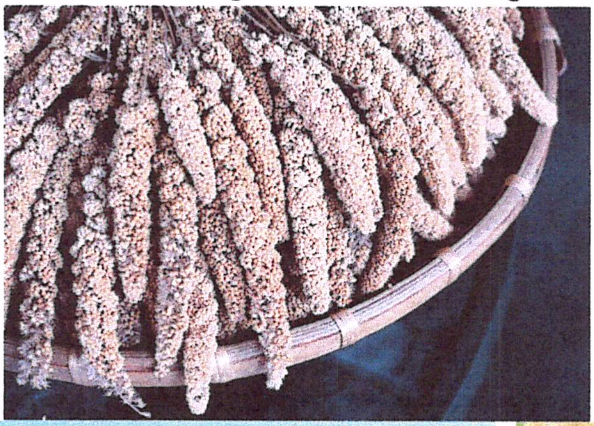
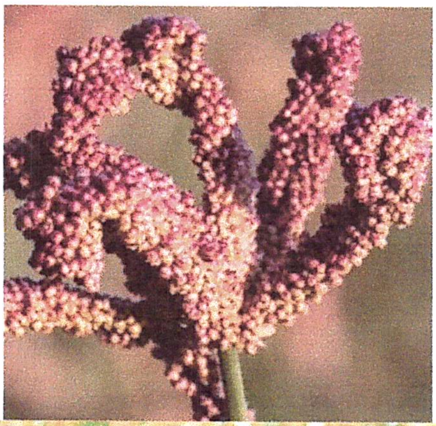

कृष्णास्वयं सहायता समूह वीएफडीएस - बिहनधार-II

स्वयं सहायता समूह का नाम	: :	कृष्णासमूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	: :	बिहनधार-II
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	: :	कटौला
डीएमयू वन मंडल का नाम/	: :	मंडी
एफसीसीयू सर्कल /	: :	मंडी।

हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित	द्वारा तैयार-: डीएमयू मंडी, एफटीयू कटौला और कृष्णास्वयं सहायता समूह

विषयसूची

क्रम संख्या	विवरण	पेज/एस
1	परिचय	3
2	गांव का भौगोलिक विवरण	7
3	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
4	उत्पादन प्रक्रियाएं।	7
5	उत्पादन योजना का विवरण	8
6	मार्केटिंग/बिक्री का विवरण	9
7	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	9
8	स्वोट अनालिसिस	10
9	संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।	1 1
10	वित्तीय अनुमान	11-15
1 1	आर्थिक विवरण	16
12	लाभ लागत विश्लेषण	17
13	टिप्पणि	18
	एसएचजी के साथ बातचीत के दौरान तस्वीरों की झलक	19

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों)MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर(, ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशःउत्तरउत्तर पूर्व-, पूर्व में सीमाबद्ध हैं ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी ब्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं ।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर ब्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिकआर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं।- कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी ,चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

बिहनधार-II वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए तीन स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, कृष्णा स्वयं सहायता समुह " "पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन(और इसका मूल्यवर्धन से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिकआर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए-, उन्होंने मशरूम का उत्पादन करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञानं केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें जितेन शर्मा, विषय विशेषज्ञ , कार्यालय वनमंडल मंडी, प्रोमिला ठाकुर, फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर कटौला परिक्षेत्र, श्री अंकित रावत वन रक्षक ,घ्राण बीट और और श्री रमेश चंद, वनखंड अधिकारी, वन खंड कटौला शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

बिहनधार-II वन ग्रामीण विकास समिति-:

बिहनधार-II वन ग्रामीण विकास समिति   राजस्व मुहाल में व्यवस्थित है। इस वन ग्रामीण विकास समिति का गठन ग्राम पंचायत घ्राण में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के कटौलाब्लॉक में स्थित है बिहनधार-II वन ग्रामीण विकास समिति मंडी वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के कटौला वन परिक्षेत्र के तहत सदर वन खण्ड के घ्राण - बीट के अंतर्गत आता है

परिवारों की संख्या	51

बीपीएल परिवार	9
कुल जनसंख्या	232
कुल मवेशी	400

कृष्णास्वयं सहायता समुह का विवरण

कृष्णास्वयं सहायता समुह का गठन 2018 में बिहनधार-II वन ग्रामीण विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। कृष्णास्वयं सहायता समुह महिला समूह)10 महिलायें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय है जिसमें (कमजोर वर्ग के सदस्य शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 10 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 200 /- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है.-:

फोटो के साथ एसएचजी सदस्य

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पति नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1	मीरा देवी	नागणु राम	अध्यक्ष	समान्य	35	5	7018200981
2.	गुड्डी देवी	प्रवीण कुमार	सचिव	समान्य	27	12	8628059053
3	राजकुमारी	श्याम सिंह	कोषध्यक्ष	समान्य	45	3	8627819882

4	चित्रा देवी	स्वर्गीय दौलत राम	सदस्य	समान्य	38	8	7876591068
5	सरला देवी	स्वर्गीय मान सिंह	सदस्य	समान्य	42	3	8219226552
6	लता देवी	चेत राम	सदस्य	समान्य	31	5	9816235483
7	नारकली	चंद्रमणि	सदस्य	समान्य	41	3	7876753506
8	शीला देवी	देश राज	सदस्य	समान्य	29	12	8219079686
9	रेशमा देवी	कृतिनंद	सदस्य	समान्य	32	10	8580876030
10	रुम्मा देवी	नेत्र सिंह	सदस्य	समान्य	36	5	9816624454

1.श्रीमती मीरा देवी अध्यक्ष

2. श्रीमती गुड्डी देवी सचिव

3. श्रीमती राजकुमारी कोषध्यक्ष)

4..श्रीमती चित्रा देवी (सदस्य)

5. श्रीमती सरला (सदस्य)

6. श्रीमती लता देवी (सदस्य)

7.श्रीमती नारकली (सदस्य)

8.श्रीमती शीला देवी(सदस्य)

9..श्रीमती रेशमा देवी देवी(सदस्य)

10 श्रीमती रुम्मा देवी (सदस्य

एसएचजी कृष्णाएसएचजी की वित्तीय स्थिति

स्वयं सहायता समूह का नाम	::	कृष्णाएसएचजी
एसएचजीसीआईजी एमआईएस कोड / ख्यासं	::	पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	बिहनधार-II
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	::	कटौला
डीएमयूवन मंडल का नाम/	::	मंडी
गांव	::	बिहनधार-II
खंड	::	सदर
ज़िला	::	मंडी
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	10
गठन की तिथि	::	03-09-2018
बैंक का नाम और विवरण	::	हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक पंडोह
बैंक खाता संख्या	::	320101196082
एसएचजीमासिक बचत/	::	रु.200/- प्रति माह
कुल बचत	::	122000 रु/-

कुल अंतरऋण-	::	50000/-
नकद ऋण सीमा	::	10000 रु /-
चुकौती स्थिति		100%

नोट:- इन कुल 10 स्वयं सहयता समूह सदस्यौं में से केवल 09 सदस्य ही वर्तमान में पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन उत्पादन गतिविधि में भाग लेंगी अन्य महिलायें इस गतिविधि में भाग ले सकती हैं ।

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	17 किमी
मेन रोड से दूर	: :	7 किमी
स्थानीय बाजार से दुरी	:	पंडोह 15 किमी
मुख्य शहरों से दुरी	: :	पंडोह 15 किमी, मंडी 17 किमी
प्रमुख शहरों के नाम उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	पंडोह 15 किमी, मंडी 17 किमी
संपर्क के लिए स्थिति	: :	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र कंपोस्ट बैग स्पैन (और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में (बागवानी विभाग) निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि कृषक समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए जालपा कृषक समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि पारम्परिक फसल कोदरा), कांगनी, शौंख, एवं तिल की खेती एवं मूल्यवर्धन(से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी /सीआईजी/समूह/ महिला मण्डल की सहमति	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	ये सभी वार्षिक फसलें है
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी पुरुष ।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार /मुख्य बाजार / स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार मुख्य बाजार /
प्रति वर्ष अपेक्षित फसल	::	किलो प्रति बीघा 80-50

विपणन बिक्री का विवरण/

संभावित बाजार स्थान स्थान /	::	पंडोह , मंडी अन्तर्निहित गांव –
	::	आसपास के संस्थान- - स्कूल, कॉलेज आदि
उत्पाद की मांग	::	पूरे साल उच्च मांग रहती है
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	कृष्णाएसएचजी समूह के सदस्य आस पास के-स्थानीय बाज़ार से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस पास के-बाज़ारों से आदेश /समूह/व्यक्तिगत स्तर)कृषक संस्थानों के स्तर लेंगे। (

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से कृषक समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी निजी भूमि में पारम्परिक फसल की खेती में अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी सहभागिता और श्रम के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व(अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे-
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत एवं आवर्ती लागत			
विवरण कोदरा	**मात्रा**	**दर**	**मूल्य) रु(.**
बीज (Kg)	15	150	2250
खाद (t)	5	800	4000

खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			8475
आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500
कुल आवर्ती लागत			20000
कुल लागत= पूंजीगत+ आवर्ती (8475+20000)			28475

उत्पादन

विवरण	इकाई क्विंटलहै/	बिक्री दर	कुल राशि (.रु)
कोदरा	6.5	7000	45500

लाभ

विवरण	कुल आय	लागत	लाभ
कोदरा	45500	28475	17025

पूंजी लागत एवं आवर्ती लागत			
विवरण स्वांक	मात्रा	दर	मूल्य) रु(.
बीज (Kg)	15	150	2250
खाद (t)	5	800	4000
खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			8475
आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500
कुल आवर्ती लागत			20000
कुल लागत= पूंजीगत+ आवर्ती (8475+20000)			28475

उत्पादन

विवरण	इकाई क्विंटलहै/	बिक्री दर	कुल राशि (.रु)
स्वांक	5	8000	40000

लाभ			
विवरण	कुल आय	लागत	लाभ
स्वांक	40000	28475	11525

पूंजी लागत			
विवरण कंगनी	मात्रा	दर	मूल्य) रु(.
बीज (Kg)	20	200	4000
खाद (t)	5	800	4000
खाद 12:32:16 (kg)	62.5	30	1875
यूरिया (Kg)	50	7	350
कुल पूंजीगत लागत			10225
आवर्ती लागत			
बुवाई (कार्यदिवस)	20	500	10000
इंटरकल्चर ऑपरेशन (कार्यदिवस)	5	500	2500
कटाई एवं मंड़ाई (कार्यदिवस)	15	500	7500
कुल आवर्ती लागत			20000
कुल लागत= पूंजीगत+ आवर्ती (10225+20000)			30225

उत्पादन			
विवरण	इकाई क्विंटलहै/	बिक्री दर	कुल राशि (.रु)
कंगनी	4.5	12000	54000

लाभ			
विवरण	कुल आय	लागत	लाभ
कंगनी	54000	30225	23775

कुल आय	
विवरण	राशि (.रु)
कुल आवर्ती लागत कोदरा=20000 स्वांक=20000 कंगनी =20000	60000
कुल पूंजीगत लागत कोदरा=8475 स्वांक=8475 कंगनी =10225	27175
कुल बिक्रय	139500

कोदरा=45500 स्वांक=40000 कंगनी =54000	
कुल लाभ)139500-60000-27175)	52325

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक:(

विवरण	राशि (.रु)
कुल आवर्ती लागत	60000
प्रति वर्ष कुल उत्पादन	139500
शुद्ध लाभ)139500-87175)	52325
आय और व्यय का अनुपात)139500/87175)	जो काफी लाभदायक है 1.60
शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिकवार्षिक आधार पर सदस्यों के / बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (.रु)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	27175	20381	6794
कुल आवर्ती लागत	60000	0	60000
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	137175	70381	66794

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा होगा
- **आवर्ती लागत -** एसएचजीहन किया जाना।सीआईजी द्वारा व/
- **प्रशिक्षण- कौशल उन्नयन/क्षमता निर्माण/** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	• पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण क्षमता/निर्माणकौशल / उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयूएफसीसीयू / द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह/ महिला मण्डल योगदान	· पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी/ महिला मण्डल द्वारा वहन किया जाएगा। · स्वयं सहायता समूह/ महिला मण्डल द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षणकौशल उन्नयन/क्षमता निर्माण/

प्रशिक्षण कौशल उन्नयन/क्षमता निर्माण/लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण:आवश्यक हैं/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/क्षमता निर्माण/

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह /महिला मण्डल को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत =27175/-

आवर्ती लागत =60000/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =87175/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 87175/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन)	27175	60000	13588	73587	87175
	कुल	27175	60000	13588	73587	87175

टिपणी:

समूह का आगामी दृष्टिकोण दुग्धउत्पाद और इसका मूल्यवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है।

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी दुग्धउत्पाद और इसका मूल्यवर्धन है क्योंकि तथा केंचुआ खाद निर्माण यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया, कि एक व्यापार योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए , अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाना

कार्यकारी सारांश

दुग्ध उत्पादन और केंचुआ खाद बनाने की आय सृजन गतिविधि का चयन गुन्जन स्वयं सहायता समूह द्वारा किया गया है। यह आईजीए इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा प्रारंभ में दूध एकत्रित कर के उस से दुग्ध उत्पाद आदि बनाए जायेंगे। यह गतिविधि इस समूह की कुछ महिलाओं द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा समस्त ऋतुओ मे की जाएगी। दूध के उत्पाद बनाने की प्रक्रिया में हर दिन 2 से 3 घन्टे लगते हैं. उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, पनीरबनाने तथाउसकी पैकिंग इत्यादी जैसी प्रक्रिया शामिल है। प्रारंभ में समूह दूध एकत्रित करेगा तथा मांग के अनुकूल पनीरव का निर्माण करेगा। उत्पाद सीधे समूह द्वारा या परोक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और निकट बाजार के पूरे विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा। इसके साथ साथ समूह प्राप्त गोबर और कृषि अवशेष से केंचुआ खाद भी त्यार करेगा जिस के लिएसमूह के पास पहले से ही प्रशाधन उपलब्ध हैं (केचुआ गढ़े और खुरली)

उत्पादन प्रक्रिया का विवरण

पनीर बनाने वाले स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने शुरू में 120 किलो शुद्ध दूध से कारोबार शुरू करने पर सहमति जताई।40 लीटर दूध को लगातार हिलाते हुए50 लीटर क्षमता वाले मोटे दूध के बर्तनों में 90०-80 C के तापमान तक गर्म किया जाएगा। जब दूध का तापमान लगभग ० 90 C हो जाए तो इसमें %0.2 साइट्रिक एसिड) यानी 80 ग्राम साइट्रिक एसिड (मिलाएं और 6-5 मिनट तक हिलाते रहें और आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। उत्पाद को मलमल के कपड़े में डालें और अतिरिक्त पानी को निचोड़ लें और पनीर के ऊपर अतिरिक्त भार डालकर पनीर को दबाएं और परिणामी सामग्री को ठंडे पानी के अंदर मलमल के कपड़े में रखें। अन्य दो दूध के बर्तनों में शेष 80 लीटर दूध के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराई जाएगी ।

मानक औसत के अनुसार प्रतिदिन 120 लीटर दूध से लगभग 24 किलोग्राम पनीर का उत्पादन किया जाएगा, जिसे लक्षित बाजारों के अनुसार उचित रूप से बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए विपणन किया जा सकता है। औसतन यदि पनीर की कीमत रु 250 . रुपये प्रति किलो, एसएचजी की शुद्ध बिक्री - / 6000 दैनिक होगी और यदि दूध 40 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदा जाता है तो 120 किलो दूध की मात्रा पर काम किया जायेगा और 4800प्रति दिन और इस तरह 1200 रुपये प्रतिदिन सकल लाभ होगा।

पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने की बाजार की संभावना

पनीर एक प्राकृतिक डेयरी आइटम है जो स्वस्थ, पोषक तत्वों से भरपूर और बहुत मांग में है। वर्तमान में मांग बढ़ रही है और निकट भविष्य में मांग अधिक होने की संभावना है। व्यवसाय लाभदायक है और इसके लिए कम पूंजी, सस्ती सामग्री और बुनियादी मशीनरी की आवश्यकता होती है। गुणवत्ता पनीर गुणवत्ता नियंत्रण, के साथ उचित उपकरण और मानकीकृत प्रोटोकॉल की मांग करता है।

पनीर बनाने का व्यवसाय शुरू करने के कारण

- प्राकृतिक डेयरी उत्पाद
- भारी मांग
- धंधा पैसा बनाने वाला है
- कम पूंजी की जरूरत
- सस्ते घटक

- एसएचजी सदस्य व्यक्तिगत स्तर पर गतिविधि से परिचित हैं

घर में बने पनीर के लिए उपकरण की आवश्यकता

घर में बने पनीर का उत्पादन शुरू करने के लिए शुरू में निम्नलिखित उपकरण खरीदे जाएंगे

1. बॉयलर वेसल 100lt क्षमता
2. मिश्रण आदि को हिलाने के लिए डंडियां
3. कनेक्शन के साथ वाणिज्यिक गैस सिलेंडर
4. गैस भट्टी) चुल्ला(
5. डिजिटल वजनी मशीन
6. मापने वाला उपकरण1) lt, 2lt, 5lt)
7. रेफ्रिजरेटर 200) लीटर(
8. रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख
9. पॉली सीलिंग टेबल टॉप
10. हीट सीलर
11. एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि।
12. कुर्सियां, मेज आदि।
13. पनीर दबाने की मशीन

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	पनीर बनाना
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	यह उत्पाद पहले से ही कुछ SHG सदस्यों द्वारा बनाया जा रहा है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	1 दिन
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	सभी सदस्य
3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय रूप से उपलब्ध
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	सुंदर नगर 50 किमी, मंडी 30 किमी
5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलो)	::	120 लीटर दूध (शुरुआत में)
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	24 किलो (शुरुआत में)

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा	राशि प्रति किलो (रुपये)	कुल रकम	अपेक्षित पनीर उत्पादन (किग्रा)	रु. प्रति किलो	कुल रकम
1	गाय का दूध	किलोग्राम	हर दिन	120 लीटर	40	4800	24	250	6000

विपणन/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	::	कटौला8 किमी, मंडी 30 किमी
2	इकाई से दूरी	::	
3	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता/थोक विक्रेता का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद को 1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"		"पवित्रता और सर्वोच्चता का एक उत्पाद"

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारियां तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया) अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि (में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

वित्तीय पूर्वानुमान/अनुमान

व्यवसाय शुरू करने के लिए अंतिम बल्कि सबसे महत्वपूर्ण कदम व्यवसाय चलाने के लिए लागत निर्धारित करने के लिए एक वित्तीय योजना बनाना है और इसमें व्यावसायिक लाभ भी शामिल होना चाहिए शुरू में एसएचजी संक्षेप में कमाई करने जा रहा है एक लागत लाभ विश्लेषण का अनुमान लगाया जाना आवश्यक है

ए।	पूंजी लागत			
क्रमांक _	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि)रु(.
1	बॉयलर पॉट 100lt क्षमता	3	5000	15000
2	मिश्रण आदि को हिलाने के लिए शीशे की डंडियां	3	300	900
3	कनेक्शन के साथ वाणिज्यिक गैस सिलेंडर	2	4000	8000
4	गैस भट्टी) चुल्ला(	3	1500	4500
5	डिजिटल वजनी मशीन	1	10,000	10000
6	मापने वाला उपकरण1) lt, 2lt, 5lt)	3	L/S	1000
7	रेफ्रिजरेटर 200) लीटर(	1	22000	22000
8	रसोई के उपकरण और अन्य विविध लेख	L/S	L/S	4000
9	पॉली सीलिंग टेबल टॉप हीट सीलर	1	2000	2000
10	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के हाथ के दस्ताने आदि।	12	L/S	6000
1 1	कुर्सियां, मेज आदि।		L/S	5000
12	पनीर प्रेसिंग मशीन	1	L/S	3000
	कुल पूंजीगत लागत)ए(			81400

बी।	आवर्ती लागत			
क्रमांक।	विवरण	मात्रा	कीमत	कुल राशि)रु(.
1	कच्चा दूध	लीटर दैनिक 120	लीटर 40	144000
2	साइट्रिक एसिड	लीटर 6	/150लीटर	900
3	कमरे का किराया	प्रति महीने	500	500
4	पैकेजिंग सामग्री	महीने के	3000	3000
5	श्रम	प्रतिदिन व्यक्ति 2	/275व्यक्ति	16500
6	परिवहन	महीने के	रुपये प्रति दिन	3000
7	विविध व्यय अर्थात स्थिर), बिजली बिल, पानी का बिल, आदि(	महीने के	1000	1000
8	गैस	प्रति माह एक सिलेंडर	/2000सिलेंडर	2000
9	मलमल का कपड़ा	महीने के हिसाब से	L/S	1500
10	साबुन और डिटर्जेंटविम स्क्रबर/, झाड़ू, वाइपर, आदि।	महीने के महीने हिसाब से	L/S	1000
	कुल आवर्ती लागत)बी(			173400

सी।	उत्पादन की लागत)मासिक(	
क्रमांक –	विवरण	राशि)रु(.
1	कुल आवर्ती लागत	173400
2	पूंजीगत लागत पर सालाना %10मूल्यह्रास	678
	उत्पादन की कुल लागत	174078

डी।	कुल आय मासिक				
क्रमांक –	विवरण	रोज	अपेक्षित दर प्रति किग्रा	कुल बिक्री दैनिक	मासिक बिक्री

नोट:

1	पनीर का कुल उत्पादन	24 किलो ग्राम	/250किग्रा	6000	180000

	लागत लाभ का विश्लेषण	
क्रमांक –	विवरण	राशि)रु(.
1	पूंजीगत लागत पर %10मूल्यह्रास	678
2	प्रति माह कुल आवर्ती लागत	173400
3	कुल खर्च	174078
4	कुल उत्पादन)मासिक(	720किग्रा
5	अपेक्षित दर प्रति किग्रा	/250किग्रा
6	कुल बिक्री राशि	180000
	शुद्ध आय)मासिक174078-180000 =(	5922
7	लाभ साझेदारी	लाभ के बंटवारे पर सदस्यों के बीच सामूहिक सहमति होगी; हालांकि लाभ का एक हिस्सा भविष्य की आकस्मिकता के लिए आरक्षित रखा जाएगा ।

श्रम की मात्रा (16500) जिसे आवर्ती लागत में जोड़ा गया है, व्यावहारिक रूप से एसएचजी के सदस्यों की आय है क्योंकि श्रम इनपुट एसएचजी के सदस्यों के भीतर होगा।

फंडफ्लो

क्रमांक –	विवरण	कुल राशि)रु(.	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	81400	61050(%)	20350
2	कुल आवर्ती लागत	173400	-	173400
.3	अब तक का मासिक योगदान	11000		11000
.4	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	60000	60000	-
	कुल	**325800**	**121050**	**204750**

टिप्पणी-

- एसएचजी में सभी सदस्य होते हैं और परियोजना द्वारा 75 %पूंजीगत लागत का योगदान दिया जाएगा।

- आवर्ती लागत एसएचजी/सीआईजी सदस्यों द्वारा वहन की जाएगी।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन व्यय परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

फंड के स्रोत

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% उपकरणों सहित मशीनरी की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा, जैसा कि क्रम संख्या 8 में वर्णित है। • 1 लाख रुपये SHG बैंक खाते में रखे जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी ।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें मशीनरी के अलावा अन्य सामग्री/उपकरणों की लागत शामिल है। • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि-

लाभार्थियों का बेसलाइन सर्वेक्षण और वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पादन स्तर
- उत्पाद की गुणवत्ता
- बेचा गया सामान
- बाजार पहुंच

टिप्पणियां:

समूह की आगामी दृष्टि अन्य डेयरी वस्तुओं आदि के रूप में मूल्यवर्धन द्वारा उनकी आय में वृद्धि करना है।

व्यापार योजना
आय सृजन गतिविधिकेंचुआ खाद बनाना -

परिचय

सरल उत्पादन तकनीकों, पारिस्थितिक, आर्थिक और इससे जुड़े मानव स्वास्थ्य लाभों के कारण केंचुआ खाद बनाना देश में एक मजबूत मुकाम हासिल कर रहा है। विशेष रूप से देश के दक्षिणी और मध्य भागों में गैर-सरकारी संगठनों) एनजीओ (के तकनीकी मार्गदर्शन के तहत, उद्यमियों द्वारा सरकार के समर्थन के तहत, वर्मीकम्पोस्टिंग इकाइयों की एक महत्वपूर्ण संख्या स्थापित की गई है।

वर्मीकम्पोस्टिंग के प्रत्यक्ष पर्यावरणीय और आर्थिक लाभ हैं क्योंकि यह स्थायी कृषि उत्पादन और किसानों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कई गैर सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन) सीबीओ(, स्वयं सहायता समूह)एसएचजी(, ट्रस्ट आदि हैं जो अपने स्थापित आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के कारण वर्मीकंपोस्टिंग प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

कृमि खाद

केंचुओं को पालने/उपयोग करके कम्पोस्ट का उत्पादन वर्मी कम्पोस्टिंग तकनीक कहलाता है। इस तकनीक के तहत, केंचुए

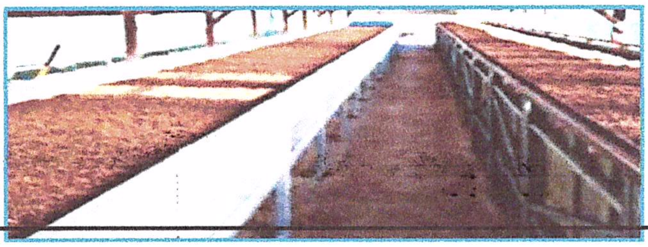

बायोमास खाते हैं और इसे पचे हुए रूप में उत्सर्जित करते हैं जिसे वर्मीकम्पोस्टिंग या वर्मीकम्पोस्ट के रूप में जाना जाता है। यह छोटे और बड़े पैमाने के किसानों दोनों के लिए खाद के उत्पादन के लिए सबसे सरल और लागत प्रभावी तरीकों में से एक है। वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन इकाई किसी भी ऐसी भूमि में स्थापित की जा सकती है जो किसी भी आर्थिक उपयोग के अधीन नहीं है बल्कि छायादार और पानी के ठहराव से मुक्त है। स्थान भी जल संसाधन के निकट होना चाहिए

वर्मीकम्पोस्टिंग, जिसे सही मायने में" कचरा रूपी सोना "कहा जाता है, जैविक कृषि उत्पादन में प्रमुख इनपुट है। सरल तकनीक के कारण, कई किसान वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन में लगे हुए हैं क्योंकि यह मिट्टी के स्वास्थ्य को मजबूत करता है, मिट्टी की उत्पादकता खेती की लागत को कम करती है। पोषक तत्वों की उच्च मात्रा के कारण वर्मीकम्पोस्ट की मांग में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	केंचुआ खाद
उत्पाद पहचान की विधि	::	यह गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है और समूह के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से तय किया गया है
एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

चरण		विवरण
चरण -1	::	प्रसंस्करण जिसमें घास फूस का संग्रह, और जैविक कचरे का भंडारण शामिल है।
चरण-2	::	जैविक कचरे का बीस दिनों के लिए पशुओं के गोबर के घोल के साथ सामग्री को ढेर करके पूर्व पाचन। यह प्रक्रिया आंशिक रूप से सामग्री को पचाती है और केंचुआ खपत के लिए उपयुक्त है। मवेशियों के गोबर और बायोगैस के घोल को सुखाने के बाद इस्तेमाल किया जा सकता है। गीले गोबर का उपयोग वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन के लिए नहीं करना चाहिए।
चरण-3	::	केंचुआ क्यारी तैयार करना। वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिए कचरे को डालने के लिए एक ठोस आधार की आवश्यकता होती है। ढीली मिट्टी कीड़े को मिट्टी में जाने देगी और पानी देते समय, सभी घुलनशील पोषक तत्व पानी के साथ मिट्टी में चले जाते हैं।
चरण-4	::	वर्मी-कम्पोस्ट संग्रह के बाद केंचुओं का संग्रह। पूरी तरह से कंपोस्ट की गई सामग्री को अलग करने के लिए कंपोस्ट की गई सामग्री को छान लें। आंशिक रूप से कम्पोस्ट की गई सामग्री को फिर से वर्मी कम्पोस्ट बेड में डाल दिया जाएगा।
चरण-5	::	नमी बनाए रखने और लाभकारी सूक्ष्मजीवों को बढ़ने देने के लिए वर्मी-कम्पोस्ट को उचित स्थान पर संग्रहित करना।

चरण-6		ईंटों का पका गड्डा बना है

उत्पादन योजना का विवरण

उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (वर्ष में तीन चक्र)
प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	1
कच्चे माल का स्रोत	::	घर और अपने खेतों से
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	मुक्त बाज़ार
कच्चा माल - आवश्यक मात्रा प्रति चक्र (किलो) प्रति सदस्य	::	1800 किलो प्रति चक्र
प्रति सदस्य प्रति चक्र (किलो) अपेक्षित उत्पादन	::	900 किलोग्राम प्रति चक्र

विपणन/बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	हिमाचल प्रदेश वन विभाग स्थानिय बाज़ार अपने खेत पर प्रयोग करने के लिए
इकाई से दूरी	::	
बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	HOFF (वन विभाग) उनकी नर्सरी के लिए प्रचुर मात्र में वर्मी -कम्पोस्ट खरीद रहा है
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	पीएमयू हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह द्वारा उत्पादित वर्मी -कम्पोस्ट की खरीद की सुविधा प्रदान करेगा ।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प तलाशेंगे।
उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
उत्पाद "नारा"		"प्रकृति के अनुकूल"

स्वोट अनालिसिस

❖ **ताकत**

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- एसएचजी के प्रत्येक सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 तक के मवेशी हैं
- एसएचजी सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य वाली फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं जो पूरे वर्ष कच्चे माल यानी कृषि जैविक कचरे की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करते हैं।

- उनके खेतों में आसानी से उपलब्ध कच्चा माल
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- उत्पाद आत्म-जीवन लंबा है

❖ **कमज़ोरी**

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- तकनीकी जानकारी का अभाव

❖ **अवसर**

- जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की बढ़ती मांग
- वर्मी- कम्पोस्ट का अपने खेत में प्रयोग करने से मृदा स्वास्थ्य में सुधार और वृद्धि तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद का उत्पादन होगा जो बेहतर मूल्य प्रदान करेगा।
- रसोई घर से बाहर रह गए घरेलू कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
- एचपी फॉरेस्ट के साथ मार्केटिंग गठजोड़ की संभावना

❖ **धमकी/जोखिम**

- अत्यधिक मौसम के कारण उत्पादन चक्र के टूटने की संभावना
- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

- उत्पादन कच्चे माल की खरीद सहित व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा इसका ध्यान रखा जाएगा -
- गुणवत्ता आश्वासन सामूहिक रूप से -
- सफाई और पैकेजिंगसामूहिक रूप से -
- मार्केटिंग सामूहिक रूप से -
- इकाई की निगरानी सामूहिक रूप से -

राशि वास्तविक रु . में)

अर्थशास्त्र का विवरण

क्रमांक	विवरण	इकाइयों	मात्रा / संख्या।	लागत)रु(.	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
ए।	पूंजी लागत								
ए1.	वृद्धि के साथसाथ - गड्ढे का) श्रम लागत आकार आंतरिक 10ftX4ftX2ft का होगा(	प्रति सदस्य	10	0	00	0	0	0	0
	उपकरण, उपकरण, वजन पैमाने आदि।	प्रति सदस्य	10	2000	24000	0	0	0	0
	कुल)ए(1.				24000	0	0	0	0
बी	आवर्ती लागत								
2	बीज केंचुआ	प्रति किलो	10	500	5000	0	0	0	0
3	गाराअपशिष्ट /गोबर/ की खरीद की लागत	टन	80	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध	समूह के सदस्यों के साथ उपलब्ध
4	श्रम लागत	प्रति टन	40	700	28000	29400	30870	32414	34034
5	पैकिंग सामग्री	नंबर	5000	2	10000	10500	11025	11576	12155
6	अन्य हैंडलिंग शुल्क	प्रति टन	40	150	6000	6300	6615	6946	7293
सी	अन्य शुल्क								
7	बीमा	एलएस/			0	0	0	0	0
	कुल आवर्ती लागत				49000	46200	48510	50936	53482
	कुल लागत -पूंजी और आवर्ती				73000	46200	48510	50936	53482
डी	वर्मी कम्पोस्टिंग से आय								
8	वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री	टन	27	6000	162000	170100	178605	187535	196911
9	कुल मुनाफा				162000	170100	178605	187535	196911

10	शुद्ध रिटर्न)सीबी(				29000	123900	130095	136599	143429

नोट - चूंकि श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा और उनके स्थान पर पहले से उपलब्ध घोल /गोबर /अपशिष्ट और ये सामग्री समूह के पास उपलब्ध है इसलिए, आवर्ती लागत (श्रम लागत, घोल /गोबर /अपशिष्ट की खरीद की लागत ((की कुल आवर्ती लागत से कटौती की जाती है।

आर्थिक विश्लेषण

विवरण	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5	
पूंजी लागत	24000	0	0	0	0	
आवर्ती लागत	49000	46200	48510	50936	53482	
कुल लागत	73000	46200	48510	50936	53482	332128
कुल लाभ	162000	170100	178605	187535	196911	895151
शुद्ध लाभ	92000	123900	130095	136599	143429	563023
लागत का शुद्ध वर्तमान मूल्य @ 15प्रतिशत	332128					
लाभ का शुद्ध वर्तमान मूल्य @ 15प्रतिशत	895151					
लाभ लागत अनुपात	2.70					

शुद्ध लाभ का वितरण - उत्पादन में हिस्सेदारी के अनुसार।

आर्थिक विश्लेषण के निष्कर्ष

- प्रत्येक सदस्य के लिए गड्ढे का आकार एक गड्ढे के लिए10 X4X 2फीट की योजना बनाई गई है।
- वर्मी कम्पोस्ट की उत्पादन लागत रु 1.85 . प्रति किग्रा
- वर्मी- कम्पोस्ट) सरंक्षण पक्ष (की बिक्री रु 6 . प्रति किलो
- रुपये का शुद्ध लाभ होगा 2.70 प्रति किग्रा
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य प्रति वर्ष 3.3 टन वर्मी- कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप 27 टन का उत्पादन होगा एक वर्ष में स्वयं सहायता समूह के सभी1 0 सदस्यों द्वारा वर्मी- कम्पोस्ट।
- केंचुआ कीमत 500.00 = प्रति किग्रा
- वर्मी - खाद बनाना एक लाभदायक IGA है और इसे SHG सदस्यों द्वारा लिया जा सकता है।

फंड की आवश्यकता:

क्रमांक नहीं।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	24000	18000	6000
2	कुल आवर्ती लागत	50000	0	50000
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50000	50000	0
	कुल =	124000	**68000**	**56000**

टिप्पणी-

- पूंजीगत लागत - पूंजीगत लागत का 75 %परियोजना के तहत कवर किया जाएगा
- आवर्ती लागत -एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

फंड के स्रोत:

परियोजना का समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 75 % तौल मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा • तक 1 लाख रुपये SHG बैंक खाते में रखे जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें तौल मशीनों की खरीद शामिल है • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह का गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आईजीए (सामान्य) का परिचय
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा - राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

परियोजना की कुल लागत है

पारम्परिक फसल:-

पूंजीगत लागत =27175/-

आवर्ती लागत =60000/-

मशरूम की खेती के लिए कुल =87175/-

दुग्ध उत्पादन:-

पूंजीगत लागत =81400/-

आवर्ती लागत =173400/-

दुग्ध उत्पादन के लिए कुल =254800/-

केंचुआ खाद:-

पूंजीगत लागत =24000/-

आवर्ती लागत =49000/-

केंचुआ खाद बनाना परियोजना के लिए कुल =73000/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 87175+ 254800+73000= 414975/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1	पारम्परिक फसल (कोदरा, कंगनी एवं स्वांक की खेती एवं मूल्यवर्धन)	27175	60000	20381	66794	87175
2.	दुग्ध उत्पाद	81400	173400	61050	193750	254800
3.	केंचुआ खाद बनाना	24000	49000	18000	55000	73000
	कुल	132575	282400	99431	315544	414975

अनुलग्नक-1

हम "कृष्णा" स्वम सहयता समूह के सभी सदस्य यह प्रतिज्ञा लेते हैं की सभी. सदस्य समूह की आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमत है तथा एच्पी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार जेआईसीए परियोजना और बिहनधार -II वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना द्वारा दिशानिर्देश के अनुसार समूह ने (मोटा अनाज, दुग्ध पनीर इत्यादि की गतिविधियों) को चुना गया।

क्र स	नाम	पति नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	हस्ताक्षर
1	श्रीमती मीरा देवी	श्री नागणू राम	प्रधान	समान्य	35	5th	मीरा देवी
2.	" गुड्डी देवी	प्रवीण कुमार	सचिव	"	27	10+2	Guddi Devi
3	" राजकुमारी	श्याम सिंह	कोषाध्यक्ष	"	45	3	राजकुमारी
4	" चित्रा	स्व दौलत राम	सदस्य	"	38	8	चित्रा
5	" सरला देवी	स्व मान सिंह	"	"	42	3	सरला
6	" लता देवी	चेत राम	"	"	31	5	लता देवी
7	" नारकली	चन्द्रमणी	"	"	41	3	नारकली
8	" शीला देवी	हीरा राज	"	"	29	10+2	Sheela Devi
9	" रेशमा देवी	कृतिनन्द	"	"	32	10	Reshma Devi
10	" रमा देवी	क्षेत्र सिंह	"	"	36	5	रमा देवी
11							
12							

स्वम सहयता समूह-सचिव के हस्ताक्षर

मीरा देवी Guddi Devi

प्रधान

स्वम सहयता समूह- प्रधान के हस्ताक्षर

मीरा देवी Guddi Devi

प्रधान सचिव

वीएफडीएस सचिव के हस्ताक्षर

Tirth Raj

वीएफडीएस प्रधान के हस्ताक्षर

प्रधान कोषाध्यक्ष
वन विकास समिति
(जाईका प्रोजेक्ट) जिला मण्डी (हि.प्र.)

वनरक्षक के हस्ताक्षर

खण्ड अधिकारी के हस्ताक्षर

वन परिक्षेत्र अधिकारी के हस्ताक्षर

डीएमयू द्वारा स्वीकृत